

---

# ShivanamavalayasHtakam

श्रीशिवनामावलयष्टकम्

## Document Information

---

Text title : shivanAmAvalyaShTakam

File name : shivanamav.itx

Category : aShTaka, shiva, nAmAvalI, shankarAchArya

Location : doc\_shiva

Author : Shankaracharya

Transliterated by : Dhruv Chand

Proofread by : Sridhar - Seshagiri seshagir at engineering.sdsu.edu

Latest update : December 24, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 18, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

---

# ShivanamavalayasHtkam

---

## श्रीशिवनामावलयष्टकम्

---



डे चन्द्रयूऽ मधनान्तक शूलपाणो  
स्थाणो गिरीश गिरिजेश मडेश शम्भो ।

भूतेश भीतभयसूदन मामनाथं  
संसारदुःभगडनाज्जगदीश रक्ष ॥ १ ॥

डे पार्वतीऽदृष्टयवल्लभ चन्द्रमौले  
भूताधिप प्रमथनाथ गिरीशयाप ।

डे वामदेव भव रुद्र पिनाकपाणो  
संसारदुःभगडनाज्जगदीश रक्ष ॥ २ ॥

डे नीलकण्ठ वृषभध्वज पञ्चवक्त्र  
लोकेश शेषवलय प्रमथेश शर्व ।

डे धूर्जटे पशुपते गिरिजापते मां  
संसारदुःभगडनाज्जगदीश रक्ष ॥ ३ ॥

डे विश्वनाथ शिव शङ्कर देवदेव  
गङ्गाधर प्रमथनाथक नन्दिदेश ।

बाणेश्वरान्धकशिपो डर लोकनाथ  
संसारदुःभगडनाज्जगदीश रक्ष ॥ ४ ॥

वाराणसीपुरपते मणिकण्डिकेश  
वीरेश दक्षमभकाल विभो गाणेश ।

सर्वज्ञ सर्वदृष्टयैकनिवास नाथ  
संसारदुःभगडनाज्जगदीश रक्ष ॥ ५ ॥

श्रीमन्मडेश्वर कृपामय डे दयालो  
डे व्योमडेश शितिकण्ठ गण्पाधिनाथ ।

भस्माङ्गराग नृकपालकलापमाल  
संसारदुःभगडनाज्जगदीश रक्ष ॥ ६ ॥

डैलासशैवविनिवास वृषाकपे डे  
मृत्युञ्जय त्रिनयन त्रिजगन्निवास ।  
नारायणप्रिय मदापड शक्तिनाथ  
संसारदुःखगडनाज्जगदीश रक्ष ॥ ७ ॥

विश्वेश विश्वभवनाशक विश्वरूप  
विश्वात्मक त्रिभुवनैकगुणाधिकेश ।  
डे विश्वनाथ करुणामय दीनबन्धो  
संसारदुःखगडनाज्जगदीश रक्ष ॥ ८ ॥

गौरीविलासभवनाय मडेश्वराय  
पञ्चाननाय शरणागतकल्पकाय ।  
शर्वाय सर्वजगतामधिपाय तस्मै  
दारिद्र्यदुःखदलनाय नमः शिवाय ॥ ९ ॥

धति श्रीमत्परमडसपरिव्राजकाचार्यस्य  
श्रीगोविन्दभगवत्पूज्यपादशिष्यस्य  
श्रीमच्छङ्करभगवतः कृतौ शिवनामावल्यष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Encoded by Dhruv Chand.

Proofread by Sridhar - Seshagiri

---

—  
*ShivanamavalysHtakam*

pdf was typeset on September 18, 2022

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

